understand the reason behind neglecting this prestigious unit in West Bengal in spite of recommendation from BRPSE. The company is on the verge of collapse and workers are facing umpteen problems and are eagerly waiting for its revival.

Hence, I request the Railway Minister, who is fortunately from Bengal and has a lot of concern for the State, through you, to immediately take steps and take over this unit immediately and help the company and workers working there.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. C.P. Thakur, not present; Shri Moinul Hassan, not present. Shri Ram Narayan Sahu.

Concern over the declining level of ground water in the Country

श्री राम नारायण साहु (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदन के समक्ष पूर्व में भी तीव्रगति से गिरते भूमिगत जलस्तर पर चिंता व्यक्त कर चुका हूं और आज पुनः कहना चाहता हूं कि सरकार इस समस्या की गंभीरता पर विचार नही कर रही है। महानगरों को उनकी आवश्यकता का 25 प्रतिशत जल ही उपलब्ध हो पा रहा है। साथ ही भूमिगत जलस्तर का तीव्रगति से गिरना समूचे प्राणी जगत के लिए विकराल समस्या का सूचक है। जलस्तर के पेड़ों की जड़ों की पहुंच से नीचे जाने के कारण विशालकाय वृक्ष भी सूख रहे हैं। सरकार द्वारा लगाए गए पम्प दिनों-दिन जलविहीन होते जा रहे हैं। जलाशय, झीलें, तालाब, नदियां आदि सूख गए हैं या सूखने के कगार पर हैं। महोदय, मेरा मानना है कि सरकार इस समस्या के प्रति गंभीर नही है अपितु योजनाएं भी कागजों पर सिमट कर रह जाती हैं। इस समस्या पर राष्ट्रीय स्तर पर चिंतन, जागरुकता, नियोजन एवं क्रियान्वयन की त्वरित आवश्यकता है। मेरे गृह नगर लखनऊ में ही सरकार अरबों रुपया पत्थरों पर खर्च कर रही है लेकिन पेय जल के नाम पर हैंडपम्प लगाने के लिए भी पैसा नहीं है। सरकार यह भूल गयी है कि पत्थरों से जीवन नही चलता बल्कि पानी से जीवन चलता है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार जल समस्या को गंभीरतापूर्वक समझे और पूर्ण समर्पण से इस कार्य को करे। सरकार सभी सम्भव जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने, भूमिगत जल स्तर का संरक्षण करने, अनावश्यक जलदोहन पर प्रतिबंध एवं जनमत बनाने एवं भूमिगत जलस्तर को पुनः चार्ज करने हेतु ठोस कदम उठाए। सरकार इस कार्य में इतनी देर भी न करे कि कल देश को इस समस्या से आपदा के रूप में जूझना पड़े। भारत जैसे विशाल देश को बोतलों में पानी से जिंदा नहीं रखा जा सकता है। इसे हरा-भरा रखने के लिए नदी, नाले, तालाब, झरने, पोखर, जलाशय जलमग्न होने आवश्यक हैं। जल के कार्य को कल का कार्य मत समझो, आज और अभी कुछ करना है।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करती हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री बृजभूषण तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करता हूं।

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको संबद्ध करता हूं।

Demand to take effective steps to bail out the National Aviation Company from huge losses incurred by it

SHRI RAHUL BAJAJ (Maharashtra): Sir, it is a matter of urgent public importance. The National Aviation Company, popularly known as 'Air India, has been making, as we all know, huge losses for